संपादकीय

बने राष्ट्र रक्षक

बृहस्पतिवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री ने साफ संकेत दिया है कि कोरोना की महामारी से लड़ाई सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती, हर नागरिक को राष्ट्र रक्षक की भूमिका निभानी है। 'जनता कर्फ्यू' की नई इबारत रच कर उन्होंने जनता की जिम्मेदारी की तरफ इशारा किया है कि धैर्य-संयम से हम एक दिन घर में रहें। जहां इस आग्रह के जैविक कारण हैं कि इस अवधि में वायरस का जीवन च स्वतः समाप्त हो जाता है, वहीं हम मानसिक रूप से किसी ऐसी बड़ी चुनौती के लिये तैयार हो सकते हैं। निःसंदेह इस लाइलाज महामारी में एकांतवास व सुरक्षित सामाजिक दूरी ही फिलहाल कारगर दवा है। इटली का उदाहरण हमारे सामने है जहां कम जनसंख्या व हमारे मुकाबले बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद स्थिति भयावह हो गई है। वहां इस वायरस से मरने वालों का आंकड़ा चीन से ज्यादा हो गया है। वजह यही है कि समय रहते वायरस के प्रसार को रोकने के लिये सार्वजनिक जीवन को नियंत्रित नहीं किया गया। ऐसे वक्त में भारत में इस वायरस के दूसरे चरण में हम सजगता, सावधानी व संयम से इसके प्रसार को रोक सकते हैं। यदि हम सचेत न हुए और भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में इस वायरस का प्रसार सामुदायिक स्तर पर हुआ तो देश को बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निःसंदेह ऐसी आपदाएं मानवता की परीक्षा की घड़ी होती हैं। हमसे मानवीय व्यवहार की अपेक्षा की जाती है, जिसके प्रति प्रधानमंत्री ने भी सचेत किया है कि संपन्न लोगों पर आश्रित व निचले तबके के कर्मचारियों को यदि समाज हित में छुट्टी करनी पड़े तो उनका वेतन न काटा जाये। वहीं हम जमाखोरी की प्रवृत्ति से बचें। देश में जरूरत के सामान की कोई कमी नहीं है, मगर विलासिता का कोई उपचार भी नहीं है। इसके बावजूद डिपार्टमेंटल स्टोरों पर खरीददारों की मारामारी व लंबी कतारें नजर आई हैं।

निःसंदेह, हमें उन लोगों के बारे में सोचना होगा जो रोज कुआं खोदकर घर चलाते हैं। यदि हम उनके हिस्से का जरूरी सामान अपने घर ले आएंगे तो उनकी दैनिक जरूरतों का निस्तारण कैसे होगा ऐसे में हमें जमाखोरी की प्रवृत्ति से बचना होगा। यहां हमें वायरस के खिलाफ अपने योगदान के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। यह विडंबना है कि तमाम संभ्रांत लोग विदेशों से लौटकर बिना जांच कराये सार्वजनिक जीवन में सि य हो गये। कुछ जांच से भाग निकले तो कुछ अस्पतालों से। निःसंदेह यह देश व समाज के हितों पर कुठाराघात ही है। निःसंदेह विश्व स्वास्थ्य संगठन व अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भारत सरकार की सजगता व सतर्कता को सराहा है, जिसके चलते कोरोना वायरस का प्रसार वैसा नहीं हुआ, जैसा कि इटली, ईरान व दक्षिण कोरिया में हुआ। मगर हमारी गैरजिम्मेदारी जहां सरकार के प्रयासों में पलीता लगा सकती है वहीं समाज व देश को भी जोखिम में डाल सकती है। निःसंदेह सदियों से गाहे-बगाहे महामारियां मानव जीवन के खिलाफ हल्ला बोलती रही हैं।

मंदी की आशंका में सेंसेक्स ने गवांई शुरुआती बढ़त

मुंबई (आरएनएस)। बंबई शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स शुक्रवार को 131 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आरबीआई के यह कहने के बाद कि कोरोना वायरस महामारी के चलते वार्षिक वृद्धि दर के अनुमान जोखिम में हैं, बाजार में आर्थिक मंदी की आशंका गहरा गई। इसके चलते सेंसेक्स ने दिन के कारोबार के दौरान हासिल शुरुआती बढ़त गवां दी और यह पिछले तीन दिन की तेजी के बाद गिरकर बंद हुआ। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए बीते 11 वर्षों से अधिक समय के दौरान ब्याज दर में सबसे अधिक कटौती का ऐलान किया है। केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में 0.75 प्रतिशत की

131 अंक गिरकर हुआ बंद

कटौती कर उसे 4.4 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कम से कम पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है।इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में 1.37 लाख करोड़ रुपये जारी करने के लिए सभी बैंकों के नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को एक प्रतिशत घटाकर तीन प्रतिशत कर दिया। बैंक ने सभी ऋणों पर मासिक किस्त भुगतान को तीन महीने के लिए रोकने की अनुमति भी दी है।

बीएसई सेंसेक्स सुबह काफी तेजी के साथ खुला लेकिन उसने अपनी पूरी बढ़त गवां दी और अंत में यह 131.18 अंक या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 29,815.59 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान इसने 31,126.03 का ऊपरी स्तर और 29,346.99 का निचला स्तर छुआ। दूसरी ओर एनएसई का प्रमुख निफ्टी सूचकांक 18.80 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 8,660.25 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स की बात करें तो बजाज फाइनेंस में सबसे अधिक आठ फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा हीरो मोटोकॉर्प, इंडसइंड बैंक, मारुति और एचसीएल टेक में भी उल्लेखनीय गिरावट रही। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, आईटीसी, एनटीपीसी और एमएंडएम बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे।

महिला बास्केटबाल विश्व कप 2022 की मेजबानी करेगा आस्ट्रेलिया

मीएस। (आईएएनएस)7 बास्केटबॉल की विश्व संस्था फीबा ने घोषणा की है कि आस्ट्रेलिया 2022 में होने वाला महिला बास्केटबॉल विश्व कप की मेजबानी करेगा। मेजबानी की दौड़ में आस्ट्रेलिया के साथ साथ रूस भी शामिल था।

फीबा की सेंटल बोर्ड ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह फैसला लिया। आस्ट्रेलिया दूसरी बार महिला बास्केटबॉल विश्व कप की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 1994 में भी इस विश्व कप की मेजबानी की थी। 10 दिनों तक चलने वाला यह टूर्नामेंट आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में सितंबर-अक्टूबर 2022 में खेला जाएगा।

यह दो आयोजन स्थलों पर होगा और दोनों ही सिडनी के ओलंपिक पार्क में स्थित है। विश्व कप के दौरान कुल 38 मैच खेले जाएंगे और इसमें 12 टीमों के 144 खिलाड़ी भाग लेंगे। फीबा के अध्यक्ष हमाने नियांग ने कहा, सिडनी में होने वाले महिलाओं के सबसे बड़े बास्केटबॉल टूर्नामेंट को लेकर हम उत्साहित हैं। इस दौरान 12 महीने का च वालीफिकेशन दौर भी होगा,जिसमें च ालीफाई करने वाली 12 टीमें आस्ट्रेलिया में खेलेंगी।

मौजूदा विदेश व्यापार नीति 30 सितंबर तक लागू रहेगी

नयी दिल्ली (आरएनएस)। सरकार मौजूदा विदेश व्यापार नीति (2015-20) की अवधि छह माह बढ़ाकर 30 सितंबर तक करने जा रही है। कोरोना संकट और तीन सप्ताह के देशव्यापी लॉकडाउन को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय किया है। मौजूदा विदेश व्यापारी नीति 31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाली थी। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा नीति के तहत जो भी योजनाएं चल रही हैं वह अब 30 सितंबर तक लागू रहेंगी। इसके साथ ही निर्यातकों के लिए कुछ और कदम भी उठाए जा सकते हैं। वाणिज्य मंत्रालय अगली नीति (2020-25) के लिए सभी हितधारकों से बातचीत में लगा है, मौजूदा नीति का समय 31 मार्च 2020 को खत्म हो रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाला विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) नई नीति की रुपरेखा तैयार कर रहा है।

वर्ष 2020 में भारत की आर्थिक वृद्धि की दर रहेगी 2.5 प्रतिशत

नई दिल्ली (आरएनएस)। ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कैलेंडर वर्ष 2020 में भारत की ग्रोथ रेट के अपने पहले के अनुमान को घटाकर 2.5 फीसदी कर दिया है।

पहले उसने इसके 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। कोरोना वायरस संकट को लेकर मूडीज का कहना है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा झटका लगेगा। कारोना वायरस और उसके चलते देश-दुनिया में आवागमन पर रोक के मद्देनजर आर्थिक लागत बढ़ी और इसी वजह से देश की वृद्धि दर घटने का अनुमान है। मूडीज का वर्ष 2019 में देश की आर्थिक वृद्धि दर पांच फीसदी रहने का अनुमान है। मूडीज ने अपने 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2020-21' में कहा कि अनुमानित वृद्धि दर के हिसाब से

भारत में 2020 में आय में तेज गिरावट हो सकती है। इससे 2021 में घरेलू मांग और आर्थिक स्थिति में सुधार की दर पहले से अधिक प्रभावित हो सकती है। एजेंसी ने कहा है, 'भारत में बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास नकद धन की भारी कमी के चलते भारत में कर्ज हासिल करने को लेकर पहले से ही बड़ी बाधा चल रही है।

कोविड 19 एससीए ने की 42 लाख रुपये की मदद

अहमदाबाद। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) ने कोरोनावायरस के लिए बनाए गए प्रधानमंत्री राहत कोष और गुजरात मुख्यमंत्री राहत कोष में 42 लाख रुपये की मदद देने का ऐलान किया है। दोनों राहत कोष में 21-21 लाख रुपये दिया जाएगा। एससीए ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। बयान में कहा गया है, कोरोनावायरस के इस भयंकर समय में एससीए देश के नागरिकों की चिंता करती है। हम सभी भारतीयों से घर में रहने की अपील करते हैं। एससीए से पहले बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने भी राज्य सरकार को 25 लाख रुपये की मदद देने का ऐलान किया था। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी 50 लाख रुपये के चावल मुहैया कराने की बात कही थी।

आरबीआई वित्तीय प्रणाली में 3.74 लाख करोड़ रुपये की नकदी डालेगा

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी और उससे जुड़े सार्वजनिक प्रतिबंधों के आर्थिक और से निपटने के लिये वित्तीय संस्थानों में करीब 3.74 लाख करोड़ रुपये के अतिक्त नकद धन के प्रवाह के इंतजाम किए गए हैं। इससे बैंकों की कर्ज देने की क्षमता बढ़ेगी।रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समित ने पूर्व नियोजित बैठक से पहले शुक्रवार को नीतिगत ब्याज दरों में कटौती और बैंकों के पास कर्ज के लिए अतिरक्त धन उपलब्ध कराने के फैसले किए। दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि

वित्तीय बाजार दबाव में है और बाजार में स्थिरता तथा आर्थिक वृद्धि को पटरी पर लाने के लिये आरबीआई को कदम उठाने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि नकदी बढ़ाने के उपायों के तहत आरबीआई बाजार में एक लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने के लिये रेपो आधारित बांड की नीलामी करेगा।

कोरोना लॉकडाउन के बीच 14 अप्रैल तक घरेलू उड़ानों पर रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को कैंसिल करने के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) ने शुक्रवार को घोषणा की कि 14 अप्रैल तक सभी घरेलू उड़ानें भी कैंसिल रहेंगी। इससे पहले गुरुवार को डीजीसीए की तरफ से घोषणा की गई थी कि सभी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानें 14 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी। पहले घरेलू उड़ानों पर भी 31 मार्च तक रोक लगी थी। डीजीसीए ने 19 मार्च को घोषणा की थी कि 22 मार्च देर रात 1:30 बजे से 29 मार्च सुबह 5:30 बजे तक भारत से किसी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ान का परिचालन नहीं होगा। बाद में देशव्यापी लॉकडाउन के बीच इसे बढ़ा दिया गया। डीजीसीए ने कहा, फैसला किया गया है कि सभी निर्धारित अंतराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानें 14 अप्रैल 2020 को भारतीय समयानुसार रात्रि 12 बजे तक बंद रहेंगी।

आज का राशिफल

मेषः आज आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। विलासितापूर्ण माहौल का लुफ्त उठाएंगे।

वृषभः आज का दिन स्वास्थ्य के लिए खराब होने की आशंका है। खान-पान से बचें।

मिथुनः आज आप एक महत्वपूर्ण परियोजना आरम्भ करने वाले हैं।

कर्कः भाग्य आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

सिंहः निजी संबंध प्रेमपूर्ण और सहयोगपूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से आप विभिन्न कार्यों में सि यता पूर्वक भाग लेंगे।

कन्याः सहकर्मियों के सहयोग से आज आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे।

तुलाः आज आपको त्रिकोणीय व्यापारिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा।

वृश्चिकः आपकी राशि से तृतीय शनि एवं धनुः में केतु, का द्विग्रही योग मिश्रित फलकारक है।

धनुः सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें।

मकरः आपकी राशि से पहले स्थान मकर राशि पर शनि संचार कर रहा है। आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुजर सकते है।

कुंभः राशि स्वामी शनि के एकादश भाव में होने से निजी संबंधो पर भावनाएं हावी रहेंगी। अन्तर्मन की पुकार को सुनें।

मीनः आज चमा मिथुन राशि पर संचार कर रहा है। जो कि आपकी राशि से पंचम भाव है। जो उम्मीदें संजो रखी हैं, उनके पूरा न होने पर आप खिन्न रहेंगे। निजी संबंधो के कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

कार्तिक आर्यन ने कोरोना वाले मोनोलॉग पर किया रैप

ऐक्टर कार्तिक आर्यन अपने फैंस को हर तरह से कोरोना वायरस के बारे में समझाने की कोशिश कर रहे हैं और घर पर रहने के लिए बोल रहे हैं।

वह इन दिनों खुद भी सेल्फ क्वारंटीन हैं लेकिन सोशल मीडिया पर उनका ह्यूमर पार्ट देखने को मिल रहा है। वह लोगों को वर्चुअल मीडियम से एंटरटेन कर रहे हैं। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की। इसके बाद ऐक्टर ने एक मजेदार मीम शेयर किया जिस पर लोगों को काफी हंसी आई। कार्तिक ने फिल्म फिर हेरा फेरी के एक सीन से अक्षय की जगह खुद को रिप्लेस किया और कहा कि मोदीजी, ये लोग ऐसे नहीं मानेंगे। ये सुनना चाहते हैं कि 21 दिन में पैसा डबल। अब कार्तिक ने एक नया वीडियो शेयर किया जिसमें वह अपने कोरोना के हालिया मोनोलॉग को रैप फॉर्म में पेश कर रहे हैं और कोविड-19 को लेकर लोगों को अवेयर कर रहे हैं। ऐक्टर कहते हैं कि वह यह तब तक करते रहेंगे जब तक सभी लोग घर में बैठ नहीं जाते हैं।

शिल्पा शेट्टी ने शेयर की बेटी समिषा के साथ तस्वीर

शिल्पा शेट्टी ने एक बार फिर अपनी बेटी की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। हालांकि इस तस्वीर में उनकी पूरी फैमिली साथ नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करने की शिल्पा ने एक खास वजह भी बताई है। शिल्पा ने अपनी बेटी के साथ इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा है, आज समिषा 40 दिन की हो गई जो हिन्दू रीति-रिवाज के मुताबिक मां और बच्चे के लिए बेहद खास होता है। वैसे तो रिवाज के हिसाब से पहली बार आज बच्चे को घर से बाहर निकालना होता है और उसे आशीर्वाद के लिए मंदिर ले जाते हैं।

वर्कआउट पर कोई छूट नहीं : अनिल कपूर

दुनियाभर में कोरोनावायरस के प्रकोप के बीच लोगों की आम जिंदगी बहुत बड़े पैमाने पर प्रभावित हुई है, लेकिन बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर इन सबका असर अपनी वर्कआउट पर नहीं पड़ने देना चाहते हैं।

अनिल ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह अपने घर के अंदर एक्सरसाइज करते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मूव करते रहिए (घरों के अंदर)! जब मेरे ट्रेनर मार्क मेरे साथ रह रहे हो, तो वर्कआउट से बचकर निकलने का कोई तरीका नहीं है! हैशटैगक्वॉरेंटींडवर्कआउट हैशटैगस्टेहोमस्टेफिट। इस वीडियो क्लिप में अनिल साइकिल पर अपने पसीने बहाते नजर आ रहे हैं। अभिनय की बात करें, तो अनिल आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म मलंग में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, दिशा पटानी और कुणाल खेमू जैसे सितारें भी थे।

सेब से तैयार करें व्रत के लिए 'एप्पल रबड़ी', जानें रेसिपी

सामग्री :-

दूध- तीन कप, शक्कर- ढाई टेबलस्पून, सेब- तीन-चार (छिले और कद्दूकस किए), बादाम- तीन टेबलस्पून (हल्के उबले और बारीक कटे), पिस्ता- तीन टेबलस्पून बारीक कटा, इलायची पाउडर- आधा टीस्पून

विधि :-

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में दूध को मीडियम आंच पर 20-25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें।

फिर इसमें शक्कर और सेब डालकर बीच-बीच में हिलाते हुए, मीडियम आंच पर 3-4 मिनट तक पका लें। ध्यान रखें कि सेब जब

दूध में डालना हो तो उसी समय छीलें और कद्दूकस करें नहीं तो सेब काला पड़ जाएगा।

इसके बाद इसमें बादाम और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें और गैस बंद कर दें। जब मिक्सचर थोड़ा ठंडा हो जाए तब इसे फ्रिज में आधे घंटे के लिए रख दें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से पिस्ता डालकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 74

बाएं से दाएं
1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

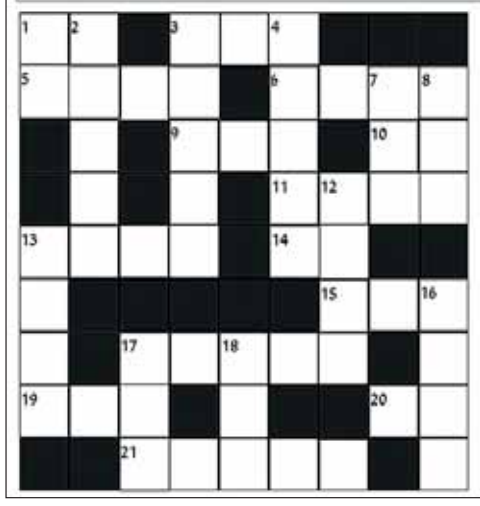

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 73 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

सू-दोकू- 74

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.73 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1